

कार्यालय जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।

पत्रांक: 1134 / जि०यो०-प्र०वि०स्वी०/2008-09 दिनांक: 7/6/2008

कार्यालय झाप

संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 727/उत्तीस(2)08-2(33पे०)/2008 टी०री० पेयजल अनुभाग-2 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 द्वारा जिला योजनांतर्गत जनजाति क्षेत्र उप योजना ट्राईबल सब प्लान (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत ग्राहीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन वर्ष 2008-09 की जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदित परिचय 10.00 लाख रु० के सापेक्ष 10.00 लाख रु० की स्वीकृति/नियंत्रण पर रखी गयी है।

अधिशारी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान पिथौरागढ़ ने अपने पत्र संख्या 1399/जी०द्वार/40 दिनांक 12.05.2008 द्वारा उक्त आवंटित धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति चाहने हेतु इस कार्यालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। तथा अनुमोदित कार्य योजनाओं की सूची उपलब्ध करायी गयी है।

उक्त शासनादेश में दिये निर्देशानुसार तथा अधिशारी अभियन्ता, जल संस्थान पिथौरागढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के क्रम में वर्ष 2008-09 की जिला योजना में जनजाति क्षेत्र उप योजना ट्राईबल सब प्लान (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत ग्राहीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदित कार्य के सम्पादन हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०रा०/2008 दिनांक 24.03.2008 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत कुल 10.00 लाख रु० (दस लाख रु०) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है।

1. उक्त शासनादेश संख्या 727/उत्तीस(2)08-2(33पे०)/2008 टी०री० पेयजल अनुभाग-2 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 में उल्लेखित समस्त शर्तों एवं प्राविधानों का पालन सुनिश्चित किया जाय।
2. इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा वर्ष 2008-09 में अनुमोदित कार्यों के लिये किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय स्वीकृत योजनाओं पर ही आवंटित सीमा तक किया जाय। धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेश के तहत किया जाय। जहाँ आवश्यक हो सहाय अधिकारी की पूर्ण सहमति/स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
4. जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुरितका नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सहाय प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उसमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृतियाँ अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
5. जिन योजनाओं में निर्माण कार्य कराये जाने हो उनके आगमनों की तकनीकी जाँच जिला स्तर पर गठित तकनीकी सम्परीक्षा प्रबन्ध (टी०एस०पी०) के परीक्षणीयपरान्त योजनांतर्गत धनराशि व्यय की जाय।
6. कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्य निर्धारित सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराये जाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित विभाग के जिलास्तरीय अधिकारी की होगी।
7. निर्माण कार्यों की गुणवत्ता प्रगति हेतु सम्बन्धित अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
8. स्वीकृति धनराशि ऐसे कार्यों पर व्यय न की जाय जिसमें किसी प्रकार का विवाद हो, साथ ही कार्य प्रारम्भ करने की पूर्व की स्थिति, कार्य प्रारम्भ होने की स्थिति तथा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सम्बन्धित कार्य का फोटोग्राफ पत्रावली में सुरक्षित रखा जाय।
9. स्वीकृत धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2009 तक कर लिया जाय तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रगति विवरण विभागाध्यक्ष/शासन को उपलब्ध कराया जाय।
10. किसी भी शासकीय व्यय हेतु बजट कय प्रक्रिया वित्तीय नियम संग्रह खण्ड 1 वित्तीय अधिकारी का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड 5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम/शासनादेश आदि का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
11. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। आहरण/व्यय एक मुस्त न करके आवश्यकता अनुसार ही किया जाय।
12. व्यय करते समय गतिव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
13. उपरोक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय शासनादेशों में निहित शर्तों के अधीन किया जाय।
14. स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र शासन/विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत किया जायेगा।
15. मासिक व्यय वितरण/सी०एग०-8 प्रत्येक माह अपने विभागाध्यक्ष को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

कमल:-

16. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या 31 के लेखा शीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा राफाई - 01 - जलापूर्ति - आयोजनागत - 796 - जनजाति उप योजना - 91 - ग्रामीण जल सम्पूर्ति कार्यक्रम(जिला योजना) - 00 - 20 - सहायक अनुदान/अंशदान राज सहायता के नाम डाला जायेगा।

यह आदेश मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0स0/2008 दिनांक 24.03.2008 /शासनादेश संख्या 727/उन्तीसा(2)08-2(33पे0)/2008 टी0सी0 पेयजल अनुभाग-2 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 तथा अधोहस्ताक्षरी के आदेश संख्या 985/जिला योजना/टी0ए0सी0गठन/2008-09 दिनांक अप्रैल 30, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

(डी.शैलिल पांडेयन)
जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

संख्या: 1134/जि0यो0/प्रा0वि0रवी0/2008-09 तदुद्दिनांकित
प्रतिलिपि: निम्नांकित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. अधिशारी अभियन्ता उत्तराखण्ड जल संस्थान, पिथौरागढ़।
2. अधीक्षण अभियन्ता उत्तराखण्ड जल संस्थान, पिथौरागढ़।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
4. अर्थ एवं संख्याधिकारी, पिथौरागढ़।
5. उप निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) कुर्मीगू मंडल हल्द्वानी।
6. निदेशक, अर्थ एवं संख्या, देहरादून।

प्रतिलिपि: सूचनार्थ प्रेषित।

1. अधिकृत कुर्मीगू मंडल नैनीताल।
2. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
3. सदस्य सचिव, राज्य योजना आयोग, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग नजद रील उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
5. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
7. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून।
6. सचिव, पेयजल निगम, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
9. सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन देहरादून।

06/06/08
जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।